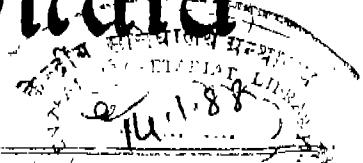




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 28, 1987 (अग्रहायण 7, 1909)
No 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 28, 1987 (AGRAHAYANA 7, 1909)

इस भाग में अिन पृष्ठ संखा दी जाती है जिससे कि यह छला अंकमाल के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचना सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications Including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

स्टेट बैंक आफ नावणकोर
(भारतीय स्टेट बैंक का संघर्षी)

प्रधान कार्यालय

त्रिवेन्द्रम, दिनांक 7 नवम्बर 1987

सूचना

मं० ए० डी० 42/1102—भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25(1)(घ) के अन्तर्गत बैंक के बोर्ड में निदेशकों के रूप में दो व्यक्तियों को निर्वाचित करने के लिए समनुषंगी बैंक सामान्य नियमावली की नियमावली 30(2) के अनुसार स्टेट बैंक आफ नावणकोर के शेरथारियों की एक सामान्य बैठक स्टाफ प्रशिक्षण केन्द्र, पूजपुरा, त्रिवेन्द्रम-12 में आयोजित करने में संबंधित जारी की गयी सूचना दिनांकित 26 अगस्त 1987 के संदर्भ में, सूचना एतद्वारा दी जाती है कि मैंने, स्टेट बैंक आफ

नावणकोर के बोर्ड में निदेशकों के रूप में निर्वाचित के लिए नामित

1. श्री० ए० ए० ए० श्रीनिवासन
2. श्री के० वी० जोर्ज
3. श्री ए० ए० ए० गवि वर्मा और
4. श्री भी० पी० गोपालन नाथर

को उम्मीदवारों के रूप में प्रस्तावित नामांकनों को बैठक मान लिया है। उपर्युक्त सामान्य नियमावली की नियमावली 33(1) ओर (2) के अनुसार विधिवत् नामांकन इन उम्मीदवारों के नाम ओर पते प्रतिक्रिया प्रकाशित किये जाते हैं।

1. श्री ए० ए० ए० श्रीनिवासन, टीमा 41/983, कुट्टिकाड़, मणक्काड़ पी० ओ०, त्रिवेन्द्रम-695009।
2. श्री के० वी० जोर्ज, करिपुरत्त, चिल्लून्सू पार्क रोड, कोट्टयम-686002।

3. श्री एम० एन० रवि वर्मा, भार्फत वर्मा एण्ड कंपनी,
बारियम रोड, कोचिं—682016।

4. श्री सी० पी० गोपालन नायर, आई० ए० एस० (सेवा
निवृत्त), नं० 36, ब्लाक 5-ए, कोरामगला, बैंगलूरु—560034।

भारतेन्दु गुप्त,
प्रबन्ध निदेशक

इलाहाबाद बैंक
प्रधान कायालिय
कलकत्ता—700001, दिनांक 13 नवम्बर 1987

सं०—विधि 5/87—सा० का० नि०—
बैंककारी कंपनी (उपर्योगों का अधिग्रहण तथा अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए इलाहाबाद बैंक का निवेशक मुंशल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 में और आगे संशोधन करने के लिए एतदृष्टिरा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ:—(1) इन विनियमों का साम इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम 1987 होगा। (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

3. 1-1-1987 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979, के विनियम 23(IV) में प्रयुक्त शब्द एवं अंक “100 रुपए प्रतिमाह” शब्द एवं अंक “150 रुपए प्रतिमाह” द्वारा प्रतिस्थापित किए गए हैं।

4. 1-1-1985 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 के विनियम 23 (VI) को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:—

“23 (VI) यदि किसी उच्चतर वेतनमान के किसी पद पर कार्य करने की उससे अपेक्षा की जाती है तथा उसकी अनवरत अवधि एक बार में 7 दिनों से कम नहीं है अथवा एक कैलेण्डर माह के दौरान कुल 7 दिन हैं, तो उस अवधि हेतु जिसके लिए वह स्थानापन्न के रूप में कार्य करता है उसे अपने वेतन के 10% के बराबर स्थानापन्न भत्ता प्राप्त होगा, किन्तु यह राशि 250 रुपए प्रतिमाह में अधिक नहीं होगी। स्थानापन्न भत्ता भविष्य निधि के प्रयोजनार्थ वेतन के रूप में माना जाएगा, अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं।

बाणों कि यदि कोई अधिकारी विनियम 6 के अन्तर्गत केवल पदों के वर्गीकरण की समीक्षा के फलस्वरूप उच्चतर वेतनमान के पद पर कार्य करने के लिए आता है तो वह वर्गीकरण की समीक्षा

प्रभावी होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि हेतु स्थानापन्न भत्ते का पात्र नहीं होगा।”

5. 1-1-1985 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979, के विनियम 23 (X) में दी गई तालिका निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित की गई है:—

तालिका

स्थान	दर
श्रीसत समुद्र स्तर से 1500	वेतन का 10% अधिकतम
मीटर तथा उससे अधिक	130 रुपए प्रतिमाह तक
ऊंचाई पर स्थित कायालिय	
श्रीसत समुद्र स्तर से 1500	वेतन का 8% अधिकतम
मीटर से नीचे लेकिन	100 रुपए प्रतिमाह तक
1000 मीटर तथा उससे	
अधिक ऊंचाई पर स्थित	
कायालिय	

6. 1-1-1987 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 के विनियम 24(1) (बी) में खंड के के बाद निम्नांकित खंड V जोड़ा गया है।

“24(1) (ख) (V) निम्नांकित बीमारियों जिसके लिए आवासीय चिकित्सा की आवश्यकता है जो अधिकृत अस्पताल प्राधिकारियों तथा बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा सत्यापित की गई हो, के संबंध में किया गया चिकित्सा व्यय अस्पताल में भर्ती होने के व्यय के रूप में माना जाएगा तथा किसी अधिकारी के मामले में 75% तक तथा उसके परिवार के मदस्यों के मामले में 50% तक की प्रतिपूर्ति की जाएगी :—

कैन्सर, अधरोग (द्यूम्रकुलोसिम), लकवा, हृदय रोग (कार्डिओक एसमेन्ट), गांठ (द्यूमर), चेचक, प्लुरिसि, डिप्पीरिया कुण्ठ रोग, गुर्दे का रोग।”

7. 1-1-1987 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979, के विनियम 42(2)(II) को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:—

“42(2)(II) यदि कोई अधिकारी, जो पूरे वैगन के लिए पात्र है, गेलवे द्वारा दी जा रही ‘कर्टेनर सेवा’ की सुविधा का उपयोग करता है और वह कनिष्ठ अथवा मध्य प्रबन्धन श्रेणी में है तो उसे, एक कर्टेनर हेतु वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी और यदि वह वरिष्ठ अथवा शीर्षस्थ प्रबन्धन श्रेणी में है तो दो कर्टेनर हेतु व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यदि सामान, ऐसे स्थानों के बीच, जहाँ गेल यातायात है, सड़क के द्वारा भेजा जाता है तो प्रतिपूर्ति विष प्रस्तुत करने पर, वास्तविक भाड़ा व्यय तक सीमित होगी, बशर्ते कि लागत मालगाड़ी की अधिकतम अनुमेय यात्रा

के परिवहन की लागत से अधिक नहीं है। यदि पदस्थापन के पुराने अथवा नए स्थान पर रेलवे स्टेशन अथवा रेलवे आउट एजेंसी नहीं हैं तो अधिकारी को निकटम रेलवे स्टेशन अथवा रेलवे आउट एजेंसी तक सड़क यातायात द्वारा सामान ले जाने की वास्तविक लागत का भुगतान किया जाएगा। यदि दोनों स्थानों पर रेलवे स्टेशन अथवा रेलवे आउट एजेंसी नहीं हैं तो अधिकारी को निर्धारित बजन तक का सामान सड़क यातायात द्वारा किसी अनुमोदित यातायात परिचालक के माध्यम से ले जाने की वास्तविक लागत का भुगतान किया जाएगा।”

8. 1-1-1987 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 के विनियम 42(3) को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:—

“42(3) अधिकारी स्थानांतरण पर पैकिंग, स्थानीय यातायात, सामान का बीमा कराने, आदि से संबंधित व्यय हेतु नीचे किए गए उल्लेखानुसार एक मुश्त राशि प्राप्त करने का पात्र होगा।”

श्रेणी	एक मुश्त राशि
गोपनीय प्रबन्धन तथा वरिष्ठ प्रबन्धन	1500 रुपए
मध्य प्रबन्धन तथा कनिष्ठ प्रबन्धन	1000 रुपए

9. 1-1-1987 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 के विनियम 44(II) को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:—

“44(II) प्रत्येक चार वर्षों में एक बार, जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा रियायत की सुविधा लेता है तो, उसे एक बार में एक माह से अनधिक की अपनी साधिकार छुट्टियां अर्थात् करने तथा उसे भुनाने की अनुमति दी जा सकती है। छुट्टी भुनाई के प्रयोगनार्थ, उस माह जिसके दौरान छुट्टी यात्रा रियायत प्रारंभ होती है, हेतु देय समस्त परिलक्षियां स्वीकार्य होंगी।

तथापि किसी अधिकारी को उसकी इच्छा पर प्रधानमंत्री राहत कोष में दान हेतु एक दिन की अतिरिक्त साधिकार छुट्टी, भुनाने की अनुमति दी जाएगी बशर्ते कि वह बैंक को राहत कोष में राशि जमा करने हेतु बैंक को प्राधिकृत करते हुए इस श्राय का पत्र दे।”

10. 1-1-1985 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 के विनियम 5(1) के अन्त में निम्नांकित परन्तु जोड़ा गया है:—

“बशर्ते कि कण्ठ प्रबन्धक श्रेणी वेतनमान I तथा मध्य प्रबन्धन श्रेणी वेतनमान II तथा III के उन

अधिकारियों जो अपने अधिकतम वेतनमान पर पहुंचते हैं, उन्हें सम्बन्धित वेतनमानों में अधिकतम राशि प्राप्त करने के बाद प्रत्येक 5 पूर्ण वर्षों की सेवा हेतु अंतिम वेतनवृद्धि के बराबर प्रगतिरोध (स्टेगेनेशन) वेतनवृद्धियां दी जाएंगी किन्तु कनिष्ठ प्रबन्धन श्रेणी वेतनमान I के अधिकारियों हेतु ऐसी वेतनवृद्धियां अधिकतम दो होंगी तथा मध्य प्रबन्धन श्रेणी वेतनमान II तथा III के अधिकारियों हेतु ऐसी वेतनवृद्धि अधिकतम एक होगी।

जिन अधिकारियों ने अपने संबंधित वेतनमान के उच्चतम वेतन पर 5 वर्ष से अधिक की सेवा पूरी कर ली है, उन्हें ऐसी पहली प्रगतिरोध वेतनवृद्धि उस तिथि से जिस दिन यह देय होती है अथवा 1 जनवरी, 1985 से, जो भी बाद में हो, दी जाएगी लेकिन पात्र अधिकारियों को ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि 1 जनवरी, 1987 से पूर्व नहीं दी जाएगी।”

11. 1-2-1984 से इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम के विनियम 5(2) के अन्त में निम्नांकित परन्तु जोड़ा गया है:—

“बशर्ते कि उन अधिकारियों को, जो अपने वेतनमान के उच्चतम वेतनमान पर पहुंच गए हैं अपने वेतनमान के उच्चतम वेतन पर एक वर्ष पूरा करने के बाद सी०ए० आई०आई०बी० परीक्षा का भाग एक उत्तीर्ण करने पर 100 रुपये प्रतिमाह तथा वेतनमान के उच्चतम वेतन पर दो वर्ष पूरा करने के बाद सी०ए०आई०आई०बी० परीक्षा का दोनों भाग उत्तीर्ण करने पर 200/- रुपये प्रतिमाह पेशेवर योग्यता भत्ता दिया जाएगा।”

12. 1-2-1984 से, इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम के विनियम 22(2) को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है:—

“22(2) यदि किसी अधिकारी को बैंक द्वारा आवासीय सुविधा नहीं प्रदान की गई है तो वह मकान किराया/भत्ता की ऐसी राशि प्राप्त करने का पात्र होगा जो उसे उस वेतनमान जिसमें वह रखा गया है, के प्रथम चरण के वेतन का 10 प्रतिशत से अधिक उसके आवासीय स्थान हेतु उसके द्वारा अतिरिक्त रूप से प्रदत्त वास्तविक किराये की राशि के बराबर हो, ऐसी राशि निम्नांकित दरों के अधीन है:—

जहां कार्यस्थल निम्नांकित	देय मकान किराया भत्ता
जगहों पर है	निम्नांकित होगा
1	2
(I) सरकार के दिशा निर्देशों भूल वेतन का 17½ के अनुसार बोई द्वारा समय- प्रतिशत, अधिकतम 500 रु. समय पर “क” वर्ग के बड़े प्रतिमाह तक शहरों के रूप में निर्दिष्ट शहर तथा समूह “क” के परियोजना लेव केंद्र (प्रो-जेक्ट एरिया सेंटर्स)	देय मकान किराया भत्ता

1	2
(II) उपर्युक्त मद (1) के अंतर्गत न आने वाले क्षेत्र I, तथा समूह "ख" के परियोजना क्षेत्र केंद्र	मूल वेतन का 15 प्रतिशत, अधिकतम 400 रुपये प्रतिमाह तक
(III) क्षेत्र II तथा राज्यों की राजधानियाँ तथा संघ गांसित क्षेत्रों की राजधानियाँ, जो उपर्युक्त (I) तथा (II) में शामिल न हों।	मूल वेतन का $12\frac{1}{2}$ प्रतिशत, अधिकतम 300 रुपये प्रतिमाह तक
(IV) क्षेत्र III	मूल वेतन का 10 प्रतिशत, अधिकतम 250 रुपये प्रतिमाह तक

टिप्पणी :

उपर्युक्तानुसार मकान किराया भत्ता किराया रसीद प्रस्तुत करने पर दिया जाएगा लेकिन कोई अधिकारी प्रमाण पत्र के आधार पर मकान किराया भत्ता हेतु उपर्युक्त दरों पर दावा कर सकता है लेकिन अधिकतम राशि निम्नानुसार होगी :—

"क" वर्ग के बड़े शहरों तथा समूह "क" के परियोजना क्षेत्र केंद्र	अधिकतम— 275 रुपये
क्षेत्र I के अन्य स्थलों तथा समूह "ख" के परियोजना क्षेत्र केंद्र	अधिकतम— 225 रुपये
क्षेत्र II तथा राज्यों की राजधानियाँ तथा संघ गांसित क्षेत्रों की राजधानियाँ	अधिकतम— 165 रुपये
क्षेत्र III	— 110 रुपये (नियन्त्रित)
एम० आर० सर्वाधिकारी, महायक महाप्रबन्धक (विधि)	

दी इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 सितम्बर 1987

नं० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (5)/9/87-88—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4)/7/85/86 दिनांक 31-3-1986 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने आने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री कृष्ण नारायण कृष्णन, ए० सी० ए०, 31, मंगलया, 93, बाल गांधिदार रोड, महिम, बम्बई-400 016, का नाम पुनः 10 नवम्बर, 1986 से स्थापित कर दिया है।

उसकी सदस्यता संख्या 36262 है।

दिनांक 15 अक्टूबर 1987

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 3-सी० सी० ए० (8)/11/87/88—रेगुलेशन 10(1) की धारा (IV) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1964 के अधिनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री नवल किशोर वर्मा, ए० सी० ए०, भगाबंद एरिया नं० 7, पी० ओ० कुसुदा, धनबाद, का कार्य करने का प्रमाण पत्र 1 अगस्त, 1986 से रद्द समझा जायेगा क्योंकि उसने वर्ष 1986-87 के लिए कार्य प्रमाण पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई, 1986 तक नहीं किया था।

उसकी सदस्यता संख्या 71675 है।

आर० एल० चौपड़ा,
सचिव

कलकत्ता-700071, दिनांक 3 नवम्बर 1987

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 3-ई० सी० ए० (5)/10/87/88—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-ई० सी० ए० (4)/3/85-86 और 3-ई० सी० ए० (4)/11/86-87 दिनांक 30-9-1985 और 31-3-1987 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसार में एतद्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने आने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र० सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं० संख्या		
1. 15805	श्री पिनाकी प्रसाद धोप, ए० सी० ए०, 73/22, गोल्फ क्लब रोड, कलकत्ता 700 033।	7-9-87
2. 2988	श्री विजय कुमार रोय चौधरी, ए० सी०, सीजै-200, मैक्टर 2, माल्ट लेक, कलकत्ता 700 091।	9-9-87

दिनांक 6 नवम्बर 1987

नं० ३-ई० सी० ए० (४) /४-८-८८—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम १९६४ के विनियम १६ के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम १९४९ की धारा २० उपधारा (I) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
संख्या	संख्या		
1.	1166	श्री अमितचंद्र राय, 27, एनवी रोड, कलकत्ता-७०० ०२०.	23-८-८६
2.	52335	श्री भास्कर बोस, बी एफ-२१४, साल्टलैक सिटी, कलकत्ता-७०० ०६४.	14-६-८७

आर० एल० चौपडा
सचिव

कानपुर-२८०००१, दिनांक 27 अक्टूबर 1987

नं० ३-सी० सी० ए० (५)/(९)/८७-८८—इस संस्थान की अधिसूचना नं० ३ एन० सी० ए० (४)/९/८३-८४ दिनांक ३१-३-१९८४ और ३ सी० सी० ए० (४)/(८)/८५-८६ दिनांक ३१-३-१९८६ के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम १९६४ के विनियम ४८ के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम १७ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
संख्या	संख्या		
1.	10180	श्री विजय कुमार भन्दारी, ए० सी० ए०, ७/६०-ए०, तिलक नगर, कानपुर।	14-१०-८७
2.	71617	श्री मंदेश भन्दारी, ए० सी० ए०, बी-२०९-सी०, राजेन्द्र मार्ग, बापू नगर, जयपुर (राज०)	23-८-८७

आर० एल० चौपडा
सचिव

संचार मंत्रालय

(डाक विभाग)

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक १० नवम्बर 1987
सूचना

सं० २५-८/८७-एल० आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्व साधारण को ज्ञातवनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी	दिनांक	बीमाकर्त्ताओं	राशि
सं०	संख्या	का नाम	(रुपये)	
1.	486040-सी	५-९-८३	श्री तरसीभ लाल	10,000/-
2.	549502-पी	२६-२-८५	श्री काला सिंह	15,000
3.	354166-पी	३१-७-७८	श्री नरिन्द्र कुमार	2,000
4.	154300-सी	७-१०-७४	श्री प्रेम नाथ	5,000

सं० २५-११/८७-एल० आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्व साधारण को ज्ञातवनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी	दिनांक	बीमाकर्त्ताओं	राशि
सं०	संख्या	का नाम	(रुपये)	
1.	335020	१-१२-७७	श्री एस० के० मांड-उडीन	5,000

सं० २५-४६/८७-एल० आई०—विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्त्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्व साधारण को

चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्रम सं.	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपये)
1.	259695	9-10-79	श्रीमती आशा आम्डकर	10,000/-

ज्योतिसना धीरा,
निदेशक, (पी० एल० आर्ड०)

भारतीय विधि परिषद्

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 1987

1. भारतीय विधि परिषद् ने 25 और 26 जूलाई, 1987 को हुई बैठक में राज्य विधि परिषद्

के समक्ष परिवाद (शिकायत) दाखिल करने की फौस में वृद्धि करने के सुझावों पर विचार किया और भाग 9 में नियमों का संशोधन करके परिवाद की फीस 25 रु० से बढ़ा कर 50 रु० कर दी है।

2. उपर्युक्त बैठक में परिषद् ने अंग्रेजी में प्रवीणता की परीक्षा लेने के विषय पर विचार किया। विचार-विमर्श के पश्चात् यह संकल्प किया गया कि परीक्षा लेने का उपबंध समाप्त कर दिया जाए और तदनुसार भाग 4 में तीन वर्षीय विधि-शिक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित नियम 2 को निकाल दिया गया है।

स्थान मोहन श्रीबास्तव;
सचिव

STATE BANK OF TRAVANCORE (Associate of the State Bank of India)

HEAD OFFICE

Trivandrum, the 7th November, 1987

NOTICE

No. MD.42/1102.—With reference to the Notice dated the 26th August, 1987 issued in terms of Regulation 30(2) of the Subsidiary Banks General Regulations regarding the holding of a General Meeting of the Shareholders of the State Bank of Travancore at the Staff Training Centre, Poojapura, Trivandrum-12 for the purpose of electing two persons to be Directors of the Board of the Bank in pursuance of Section 25(1)(d) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, NOTICE IS HEREBY GIVEN THAT I HAVE accepted as valid the nominations proposing the names of :—

1. Shri N. S. Srinivasan
2. Shri K. V. George
3. Shri M. N. Ravi Varma and
4. Shri C. P. Gopalan Nayar

as candidates for election as Directors of the Board of State Bank of Travancore. The names and addresses of these validly nominated candidates are hereby published, as required by Regulation 33(1) and (2) of the said General Regulations.

1. Shri N. S. Srinivasan, TC 41/983, Kutticaud, Mana- caud P.O., Trivandrum-695 009.
2. Shri K. V. George, Karipurathu, Children's Park Road, Kottayam-682 002.
3. Shri M. N. Ravi Varma, C/o Varma & Co., Warriam Road, Cochin-682 016.
4. Shri C. P. Gopalan Nayar, I.A.S. (Rtd.), No. 36, Block V-A, Koramangala, Bangalore-560 034.

B. GUPTA,
Managing Director

ALLAHABAD BANK HEAD OFFICE

Calcutta-700 001, the 13th November 1987

No. LEGAL/5/87/GSR.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Allahabad Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous

sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979.

2. Short title and commencement :—(1) These regulations may be called the Allahabad Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1987. (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) On and from 1-1-1987, in Regulation 23 (iv) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979, the words and figure "Rs. 100/- p.m." appearing therein has been substituted by the words and figure "Rs. 150/- p.m."

(4) On and from 1-1-1985, Regulation 23 (vi) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979 has been substituted by the following :—

"23 (vi) If he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect."

(5) On and from 1-1-1985, in Regulation 23 (x) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979, the table given therein has been substituted by the following :—

TABLE

Places	Rates
Offices at altitudes of and over 1500 meters above Mean Sea Level.	10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/- p.m.
Offices at altitudes of and over 1000 meters but below 1500 meters above Mean Sea Level.	8% of pay subject to a maximum of Rs. 100/- p.m."

(6) On and from 1-1-1987, in Regulation 24 (1) (b) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979 following clause v has been added after Clause IV.

"24(1)(b)(v) : Medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the

case of an officer and 50% in the case of his family members.—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment.”

(7)(1) On and from 1-1-1987, Regulation 42(2)(ii) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979 has been substituted by the following :—

“42(2)(ii) If an officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity of goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road up to the nearest railway station or railway out-agency. If both the places do not have railway station/out-agency, the officer will be paid actual cost of transporting the baggage by road up to the stipulated weights by an approved transport operator.”

(8) On and from 1-1-1987, Regulation 42 (3) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations 1979 has been substituted by the following :—

“42(3) An officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc.

Grade	Lump Sum
Top Management and Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

(9) On and from 1-1-1987, Regulation 44(ii) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979 has been substituted by the following :—

“44 (ii) Once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave no exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund.”

(10) On and from 1-1-1985, at the end of Regulation 5(1) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations 1979 the following proviso has been added :—

“Provided that those officers in Junior Management Grade Scale I and Middle Management Grade Scales II & III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for Officers in Junior Management Grade Scale I and one such increment for officers in Middle Management Grade Scales II and III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January, 1987.”

(11) On and from 1-2-1984, at the end of Regulation 5(2) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979 the following proviso has been added :—

“Provided that those officers who have reached the maximum of their pay scales, professional qualification

allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part I of CAIIB Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of CAIIB Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay.”

(12) On and from 1-2-1984, Regulation 22(2) of Allahabad Bank (Officers') Service Regulations 1979 has been substituted by the following :—

“22(2) Where an officer is not provided with residential accommodation by the bank, he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :—

Where the place of work is in	H.R.A. payable shall be
(i) Major 'A' Class Cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the government & Project Area Centers in Group A'.	17½ % of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m.
(ii) Area I not covered by item (i) above and Project Area Centres in Group 'B'.	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m.
(iii) Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories not covered by (i) & (ii) above.	12½ % of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.
(iv) Area III	10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 250/- p.m.

NOTE : House Rent Allowance as above shall be paid on production of rent receipts, except that an officer may claim house rent allowance on certificate basis at the above rates subject to a maximum as under:—

Major 'A' Class Cities and Project Area Centres in Group 'A'	Maximum Rs. 275/-
Other places in Area I and Project Area Centre in Group 'B'	Maximum Rs. 225/-
Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories.	Maximum Rs. 165/-
Area III	Rs. 110/- (fixed).

M. R. SARBADHIKARI,
Asstt. General Manager (Law).

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 8th September 1987

3WCA(519/87-88).—With reference to this Institute's Notification No. 3WCA(4)/7/85-86 dated 31-3-86 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1964, that in exercise of the powers conferred by regulation 17 of the said Regulations, the council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 10th November, 1986, the name of Shri Krishnan Narayan Krishnan, ACA, 31, Mangalya, 93, Bal Govindas Road, Mahim, Bombay-400 016.

His membership number is 36262.

The 15th October 1987

No. 3CCA(8)(11)/87-88.—In pursuance of clause (iv) of Regulation 10 (1) read with Regulation 10 (2) (b) of

the Chartered Accountants Regulations 1964, it is hereby notified that the certificate of practice issued to Shri Nawal Kishore Verma, ACA, Bhagaband Area No. 7, P.O. Kusunda, Dhanbad, shall stand cancelled with effect from 1st August, 1986 as he had not paid his annual fee for the certificate of practice for the year 1986-87 till 31st day of July, 1986.

His membership number is 71675.

R. L. CHOPRA,
Secretary.

Calcutta-700 071, the 3rd November 1987

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/5/10/87-88.—With reference to the Institute's Notification No. 3ECA/4/3/85-86 and 3ECA/4/11/86-87 dated 30-9-85 and 31-3-87.

It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountant Regulation 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, the names of the following members with effect from the date/s mentioned against their names :—

Sl. No.	Mem. No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	15805	Shri Pinaki Prasad Ghosh ACA 73/22, Golf Club Road, Calcutta-700 033.	7-9-87
2.	2988	Shri Bijoy Kumar Roy Choudhury FCA CJ-200, Sector-II, Salt Lake, Calcutta-700 091.	9-9-87

The 6th November 1987

No. 3ECA/4/4/87-88.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(i)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, the name/s of the following member/s with effect from the date/s mentioned against their name/s :—

Sl. No.	Mem. No.	Name & Address	Date of Removal
1.	1166	Shri Amitava Ray 27, Allenby Road, Calcutta-700020.	23-8-86
2.	52335	Shri Bhaskar Bose BF-214, Salt Lake City, Calcutta-700 064.	14-6-87

R. L. CHOPRA,
Secretary.

Kanpur-208 001, the 27th October 1987

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-CCA(5)/(9),87-88.—With reference to this Institute's Notification Nos. 3NCA(4)/9/83-84 dt. 31-3-84 & 3 CCA(4)/(8)/85-86 dt. 31-3-86 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to

the Register of members the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names.

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date
1.	10180	Mr. Vijay Kumar Bhandari, ACA, 7/60-A, Tilak Nagar, Kanpur.	14-10-87
2.	71617	Mr. Mahesh Bhandari, ACA, B-209, C. Rajender Marg, Bapu Nagar, Jaipur (Raj.).	23-9-87

R. L. CHOPRA,
Secretary.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
DEPARTMENT OF POSTS

New Delhi-110 001, the 10th November 1987

NOTICE

No. 25-B/87-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :-

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	486040-C dt. 5-9-83	Sh. Tarsem Lal	10,000/-
2.	549502-P dt. 26-2-85	Sh. Kala Singh	15,000/-
3.	354166-P dt. 31-7-78	Sh. Narinder Kumar	2,000/-
4.	154300-C dt. 7-10-74	Sh. Prem Nath	5,000/-

No. 25-11/87-LI.—P.I.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate Policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :-

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	335020 dt. 1-12-77	Sh. S.K. Mohiuddin	5,000/-

No. 25-46/87-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :-

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	259695 dt. 9-10-79	Smt. Asha Amdekar	10,000/-

JYOTSNA DIESH,
Director (P.L.I.)

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

New Delhi-110001, the 16th November 1987

ERRATA

Error to Notification No. 14/87 dated the 9th September, 1987 as published in Gazette of India Part III Section 4 dated the 26th September, 1987 :-

Page No.	Reference in the Gazette	For	Read
3508	Column-II Regulation No. 117 Line-2	any one time of eight months	any one time is eight months

M. L. KAPOOR,
Dy. General Manager (Admn & Pers)

BAR COUNCIL OF INDIA

New Delhi, the 31st October 1987

I. At its meeting held on 25th & 26th July 87, Bar Council of India considered the suggestion for enhancement of the fee for filing complaint before the State Bar Council and amended the rule in Part IX increasing the fee for complaint from Rs. 25/- to Rs. 50/-.

II. At the above meeting Council also considered about the holding of the proficiency test in English. After discussion it was resolved to scrap the provision for holding the test and accordingly Rule 2 in Part IV relating to the three year law course and Rule 9 in Part IV relating to five year law course have been deleted.

SHYAM MOHAN SRIVASTAVA,
Secretary
Bar Council of India

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 10th November 1987

U/310A, DPD(P&R)77-87-88.—The provisions of the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus and Growth (9)-1987 formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 are published herebelow for general information :—

THE MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH EXTRA BONUS AND GROWTH (9)-1987

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme.

I. Short Title and Commencement

- (1) This Scheme shall be called the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus and Growth (9)-1987.
- (2) It shall come into force on the 1st day of November, 1987.
- (3) Units will be on sale only during such period and for such duration as the Board of Trustees of the Unit Trust of India may from time to time decide. Provided, that the Chairman or Executive Trustee may suspend the sale of units under the Scheme totally at any time after the commencement of the scheme by giving a weeks' notice in such newspapers as may be decided.

II. Definitions :

In this Scheme, unless the context otherwise requires :—

- (a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same ;
- (c) "Applicant" means an applicant under the scheme and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person.
- (CC) Body Corporate means a body corporate as defined under the Companies Act 1956 but includes a society registered under the Societies Registration Act, 1860.
- (CCC) 'Company' means a company defined under the Companies Act, 1956.
- (d) "eligible institution" means an institution as defined under the Unit Trust of India General Regulations 1964 and includes Private Trusts created by an instrument in writing and being irrevocable for the benefit of children or a Charitable or Religious Trust or endowment which is administered controlled or supervised by or under the provisions of a Central or State enactment is for the time being in force.
- (e) "Mentally handicapped person" means : any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.
- (f) "number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (g) "person" shall include an eligible institution as defined above.
- (h) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).
- (i) "regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act.
- (j) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees one hundred in the unit capital.
- (k) "unitholder" used as an expression under the Scheme shall mean and include the applicant.
- (l) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face value of each unit :

The face value of each unit shall be one hundred rupees.

IV. Application for units :

- (1) Applications for units may be made by residents only viz.
 - (a) individuals either singly or with another individual on joint, either or survivor basis.
 - (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor.
 - (c) an eligible institution as defined under the Scheme, including a private Trust formed for the benefit of minor children being however irrevocable.
 - (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
 - (e) a body corporate or company as defined under the Scheme.

- (2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust.
- (3) Application shall be made for multiples of 10 units subject to a minimum of 10 units.
- (4) (i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.
- (ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a designated branch of authorised bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft provided the application is received by the Trust or a designated branch of authorised bank within such time as may be deemed reasonable by the Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme; the balance due to him shall be refunded at his cost in such manner as the Trust may deem fit.
- (iii) A unit certificate will be sent by registered post/recordered delivery with or without acknowledgement to the address given by the applicant; the Trust will not incur any liability for loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.
- (iv) A unit certificate issued by the Trust to the eligible institution shall be made out in the name of the eligible institution.

(5) Right of Trust to accept or reject application :

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme shall be final.

(6) Applicant bound to comply with requirements under the scheme before being issued units :

Persons applying for units under the scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

(7) A person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit certificate cancelled and the name deleted from the register of unitholders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

V. Sale of Units :

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, issue to the applicant unit certificate/s representing the units held by him.

VI. Repurchase of units :

(1) The Trust shall not repurchase units before 1st January, 1991.

(2) The Trust shall during the currency of the Scheme and on or after 1st January, 1991 repurchase at par on

receipt by it of the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly filled in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted. The unitholder while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unpaid Income Distribution Warrants remaining outstanding upto and inclusive of the month of repurchase to the Trust. The Trust shall not on accepting the unit certificate for repurchase, be bound to pay any Income Distribution on the units for the future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds. The certificate and the unpaid Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of the failure of the unitholder to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase price such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the unitholder. On the acceptance of the unit certificate/s by the Trust, the unitholders' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount/s represented by such outstanding Income Distribution.

(4) A unitholder to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A unitholder who holds the units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the unitholder and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the relative unit certificate and the unpaid Income Distribution Warrants outstanding to the deceased unitholder, the Trust shall on compliance with the formalities in connection with the recognition of claim, repurchase the units at par and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of the settlement of the claim or upto a period of 6 months from the date of death of the member, whichever is earlier and such payment shall be made for periods of whole months.

(6) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VII. Restrictions on sale and repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unit holders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation :

For the purposes of this scheme the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other states where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Sale and Repurchase prices :

(1) The sale and repurchase price of units during the period when units are sold and repurchased shall be at par.

(2) In the event of a termination of the Scheme in the manner as specified in Clause XXV hereof the Trust shall

determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting there from such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase prices shall in addition to the par value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

IX. Publication of final repurchase price

- (a) Upon termination of the scheme in the manner provided in Clause XXV hereof the Trust shall as early as possible after determining the repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.
- (b) The final repurchase price at which the units will be repurchased will be at a premium of minimum of Rs. 2/- per unit of the face value of Rs. 100/-.

X. Valuation of assets pertaining to this Scheme

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause (2) of Clause VIII the assets shall be classified into : (a) cash (b) investments and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

- A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme; provided where security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.
- (b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

B. Adding thereto—

- (a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;
- (b) in the case of Government Securities and debentures, interest accrued but not received; and
- (c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend and dividend declared but not received.

- (3) Other assets shall be valued at their book value.

XI. Form of unit certificate :

Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

XII. Manner of preparation of unit certificate :

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board of Trustees may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other

authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

XIII. Trusts not to be recognized regarding unit certificates :

(1) The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognized by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognize such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognize any Trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

XIV. Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his unit certificates for one or more unit certificates of such denominations as he may require, representing the same aggregate No. of units. While applying for such exchange the unit holder shall surrender to the Trust the unit certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust all money (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new unit certificate or certificates.

XV. Exchange of unit certificate and procedure when certificate is mutilated, defaced, lost etc. :

(1) Subject to the provisions of this scheme, in case any unit certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn out or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have :

(i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate ;

(ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts ;

(iii) (in case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificates; and

(iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

(2) The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(3) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the unit certificate to pay a fee of Rupees two per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XVI. Register of unitholders :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders—

(1) A register of the unitholder shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register :

- (a) the names and addresses of the unitholders;

- (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly. Any change pursuant to death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.

(3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Application by and registration of companies, bodies corporate, eligible institutions, minor, an Applicant for benefit of a mentally handicapped person :

(1) Companies, bodies corporate and eligible institutions may be registered as unit holders.

(2) An adult, being a parent, step-parent or, other lawful guardian of a minor (who is a physically/mentally handicapped person) may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

(3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the Trust.

(4) Applications by eligible institutions, bodies corporate or companies shall be accompanied by the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and Articles, Bye-laws etc. an authorised copy of the resolution by the managing body, and a copy of the requisite power of attorney.

(5) A firm or other association of persons (not being incorporated as such) shall not be registered as a unit holder.

XVIII. Receipt by unitholder to discharge Trust :

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XIX. Nomination by unitholders and agents :

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

(2) Unitholders being either parent or Lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, companies,

bodies corporate, an applicant who has applied for Units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

XX. Transfer of units :

No transfer of units issued under this Scheme shall be permissible.

XXI. Death or bankruptcy of a unitholder :

(1) In the event of death of a unitholder, the nominee/s shall be the person/s recognised by the Trust as the person/s entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.

(2) In the absence of a valid nomination by a unitholder, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only person who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at par after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(4) In the event of the sole nominee under the unit certificate being a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

(5) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

XXIV. Investment Limits :

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

XXIII. Income Distribution :

(1) The Income Distribution under the scheme which shall be at a rate of 12% per annum and made payable on a monthly basis shall be subject to revision by the Trust based upon the income of the scheme.

(2) The Income Distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such pre-payment arrangements by means of Income Distribution warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units as have been sold under an application accepted by the Trust on/or before the 15th day of the month shall alone be eligible for Income Distribution for that month.

(3) Provided that the Income Distribution for the months November, December, 1987 January and February, 1988 shall be forwarded to the unitholder alongwith the post dated Income Distribution Warrants for the month March, 1988 to October, 1988. provided further that the Income Distribu-

tion for the 12 months, or as the case may be, shall be distributed to the unitholders during March, 1988 out of the income accrued during the period and such distribution shall be at a rate equivalent to 12% per annum depending upon the month of acquisition of units and other relevant factors. The Board of Trustees, however reserves the right to declare an interim dividend for the purpose. The Trust reserves the right to forward post dated Income Distribution warrants for such periods as the Trust may determine.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (2), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the unit holder once a year and the warrants will be so dated that the unitholder shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrants shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the unitholders before the expiry of the validity period of in the event of their becoming stale.

(5) In the event of a repurchase which shall always be in full, the unitholder upon non-surrender of unpaid warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the unitholders on the dates of maturity and the amount represented by such Income Distribution warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.

(6) In the event of the death of the unitholder if the sole nominee is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification.

However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased unitholder to those in favour of the newly admitted unitholders.

(7) In the event of the death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or/any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

(8) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause, the Trust reserves its right to make the Income Distribution on a quarterly, half yearly or annual basis as the case may be, should the reasons of expediency cost, interest of unitholders and other circumstances make it necessary for the Trust to do so. In such an event the Trust shall notify the unitholders by a publication in two leading English language daily newspapers. No unitholder shall have a right to claim Income Distribution on monthly basis after the Trust makes a notification as above.

(9) The Trust may declare a bonus dividend at anytime during the 3rd year after 1st January, 1991 which will be paid to the unitholders after the end of the fourth year, after 1st January, 1992.

XXIV. Publication of Accounts :

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXV. Additions and Amendments to Scheme :

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

XXVI. Termination of the Scheme :

The Scheme shall stand finally terminated as of 1st January, 1993. All unitholders who have participated in the Scheme for the entire period of 5 years shall be paid the value of the units at the repurchase price, fixed for the final repurchase during the above period. Besides, receiving the final repurchase price determined no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The unit certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

XXVII. Scheme to be binding on Unitholders :

The terms of this Scheme, including any amendments/additions thereto from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXVIII. Benefits to the unitholders :

All benefits accruing under the scheme in respect of capital and reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the scheme till its closure.

XXIX. Copy of Scheme to be made available :

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application and payment of rupees five.

XXX. Power to construe provisions :

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be conclusive.

XXXI. Relaxation/variation/modification of provisions :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

